Maa Bagalamukhi Jayanti 12 May 2019

माता बगलामुखि जयंति (जन्मदिवस) 2019

Gurudev Raj Verma

Contact- +91-9897507933**. WhatsApp No.** +91-7500292413

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

www.gurudevrajverma.com

महामाया बगलामुखि जन्मदिवस आप सभी के लिये अत्यन्त मंगल एवं शुभकारी हो, इस हार्दिक शुभकामना के साथ जय मां विश्वेश्वरी बगलामुखि। 2019 वर्ष, 2076 संवत्, वैशाख मास, शुक्लपक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार 12 मई को भगवती बगलामुखि जयन्ती है। इस शुभकाल में विष्णुजी की प्रार्थना पर भगवती बगला अवतरित हुई थीं। अपने इष्टदेवता के जन्मदिवस को भी अपने या अपने पारिवारिक जन्मदिवस की भांति धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिये, परंतु इसमें धूमधाम शास्त्रसंगत होनी चाहिये, भोगसंगत नहीं। इस दिन भगवती के समक्ष किया गया जप, तप, ध्यान, होम, व्रत एवं दान श्रेष्ठ फल प्रदान करता है। इस शुभ दिवस पर किया गया पुण्यकर्म पूरे वर्ष आपकी सहायता करता है। अतः शरीर को कष्ट देकर भी यत्नपूर्वक इस दिवस का पूर्ण लाभ उठाना चाहिये। साधक को अपनी प्रीति एवं शक्ति के अनुसार गुरु आज्ञा से एक दिन पूर्व अपनी सेवाकर्म का चुनाव कर लेना चाहिये। एक सच्चे उपासक गुरु की आज्ञा एवं प्रसन्नता देवता की प्रसन्नता है। जिनके पास धन है, परंतु समय और उत्तम स्वास्थ्य नहीं वो धन से, जिनके पास धन का अभाव है, वो शारीरिक तपश्चर्या (जप और व्रत) से और सौभाग्य से जिनके पास उत्तम स्वास्थ्य, धन और समय सब कुछ है, वे इन सभी का सदुपयोग कर इस दिवस को अपना भाग्यशाली दिवस बना सकते हैं। शास्त्रीय

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

कर्मकाण्ड को केवल शिष्टाचार तक ही सीमित रखना चाहिये, ज्यादा गहराई में जायेंगे तो किस विधि से क्या, कब और कैसे करना है, इसी विचार विमर्श में ही आधा जीवन व्यतीत हो जायेगा। साधना करते समय आप जब स्वयं का ही अस्तित्व भूल जाये, तब ही भगवती आपको याद करेंगी। एक अबोध शिशु अपनी बाल्यावस्था में अपनी बाल क्रीडाओं से माता पिता का मन मोह लेता है, परंतु जब वह युवा और बुद्धिमान हो जाता है, तब माता पिता उससे वह सुख प्राप्त नहीं कर सकते। ठीक इसी प्रकार ईश्वर के दरबार में निश्छल अबोध मूर्ख बालक बन कर जाओगे तो वह सब कुछ प्रदान करेंगें, जिसका मनुष्य अधिकारी है। शब्दावली पर विराम देते हुए साधना कर्म की ओर आगे बढ़ते हैं।

भगवती बगलामुखि जयंती के पावन अवसर पर कुछ धार्मिक साधन कर्म प्रस्तुत किये जा रहे हैं। इनमें से समय, ज्ञान, कामना और धन के अनुसार गुरु आज्ञा से एक दिन पूर्व ही सारा प्रबन्ध कर लेना चाहिये। यहां पर मैं केवल उस विधि अथवा मंत्र की जानकारी दूंगा, जिसे साधकजन कर सकते हैं, उस विधि अथवा मंत्र का पूर्ण उल्लेख एवं जानकारी मेरी पुस्तक, ब्लाग एवं वेबसाइट पर है, (www.gurudevrajverma.com) समय के अभाव के कारण यहां पुनः उन सबको विस्तार से प्रकाशित करना मेरे लिये कठिन है। जिस कर्म या विधान को समझने में कोई कठिनाई हो उसके

लिये साधकजन ऊपर दिये नम्बरस पर मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं।

- भगवती बगला बीजमंत्र भगवती को प्रसन्न करने का उत्तम साधन है। अतः एक दिन और रात्रि में 108 माला बीज मंत्र का जप कर साम्र्थ्यानुसार हवन कर मां को प्रसन्न कर सकते हैं।
- अगर साधक के पास जनसमूह, धन, समय और श्रद्धा है, तो महामाया बगला की धूमधामपूर्वक शोभायात्रा का आयोजन भी किया जा सकता है। जैसे गणपतिजी, हनुमानजी, रामजी अथवा दुर्गाजी की शोभायात्रा का आयोजन देशभर में धूमधाम से किया जाता है।
- धन की अत्याधिक समस्या हो तो बगला भक्तमंदार मंत्र की 108 अथवा 54 माला लक्ष्मी विधि से पूर्ण करनी चाहिये। आरम्भ और अंत में श्रीसूक्त अथवा लक्ष्मी सूक्त का पाठ करें। इसी प्रकार अपने जीवन के किसी कार्य की जानकारी या शुभ अशुभ जानने हेतु बगला स्वप्न विद्या का प्रयोग करना चाहिये। इस विद्या से व्यक्ति अपने इष्टदेवता व मंत्र की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है। देवमंत्र से सट्टे अथवा लाटरी के नम्बर जानना कर्महीन मनुष्य की पहचान है। उसमें देवता कोई लाभ नहीं देते हैं।
- मंत्र जप से देवता का वशीकरण होता है। बगला मूलमंत्र तथा बगला गायत्री मंत्र सर्वसिद्धिदायक मंत्रास्त्र है। इनकी

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

108 माला का एक दिन में जप अभ्यासी साधक तो कर सकता है, जो इतना न कर पाये वह साधक 36 या 54 माला का जप एवं होम कर भगवती को प्रसन्न कर सकते हैं।

- यदि साधक ने बगला कवच अथवा बगला मालामंत्र सिद्ध नहीं किया है, तो इनमें से एक साधन के 108 पाठ कर उसे सिद्ध कर सकते हैं। इससे विशेष संकट एवं शत्रुओं से शीघ्र मुक्ति मिलती है।
- बगला सहस्त्रनाम अथवा भक्तमंदार या मूलमंत्र द्वारा सम्पुटित सहस्नामों द्वारा इलायची, लोंग, पुष्प, लड्डू एवं किसमिस आदि उत्तम पदार्थों द्वारा भगवती का अर्चन भी किया जा सकता है। अर्चन के अतिरिक्त इन नामों द्वारा तर्पण भी कर सकते हैं।
- दीक्षाहीन मनुष्य दिशाहीन होकर मन को अपना गुरु बनाकर उसके अनुसार इधर-उधर भ्रमण करते हुए विभिन्न्न प्रकार की साधनाओं को पूर्ण करने का प्रयास करते हैं। अतः इस दिन व्यक्ति मन को जीतकर अपनी बुद्धि के द्वारा आत्मा के कल्याण हेतु बगला दीक्षा ग्रहण कर लें, तो अत्यन्त शुभ फल मिलता है।
- केवल यज्ञ होम के द्वारा भी देवता को प्रसन्न किया जा सकता है। अतः इस दिन अपनी शक्तिनुसार होम का आयोजन कर सकते हैं। जैसे- 11, 21, 31, 36 या 41

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

माला का होम इत्यादि। साधारण हवन तो हवनकुण्ड में सम्पन्न किया जा सकता है। महाहवन हेतु विस्तृत वेदी का निर्माण करना होगा। भगवती के सहस्त्रनामों के द्वारा भी होम का सम्पादन किया जा सकता है। जो बगला हवन की पूर्ण विधि नहीं जानते वह केवल जप कर सकते हैं, हवन को योग्य ब्राह्मण अथवा गुरु के द्वारा भी करवा सकते हैं।

- कन्या भोजन एवं सेवा से भी मनुष्य सर्व देवी-देवताओं का प्रिय बन जाता है। शास्त्रों में इस कर्म का बहुत माहात्म्य कहा गया है। परंतु इसमें एक बात का ध्यान रखना चाहिये कि उन्हीं कन्याओं अथवा स्त्रियों की सेवा करनी चाहिये, जिन्हें वास्तव में उस सेवा की परमावश्यकता हो। इस दिन गाय माता को पीले लड्डू या बरफी का भोग लगाने से भी सौभाग्यागमन होता है।
- बगला जयन्ती जैसे प्रमुख महापर्वों में ब्रह्मचर्य का पूर्ण पालन करते हुए मदिरा एवं मांस आदि का भक्षण नहीं करना चाहिये।
- अधिकांश विद्वानों का कहना है कि बगला पूजन केवल रात्रिकाल में ही करना चाहिये। परंतु यह पूर्ण सत्य नहीं है। अधिकांश साधकजन इसी तथ्य को मानकर केवल रात्रिकाल में ही पूजा करते हैं और दिन में समय होते हुए भी उसे व्यर्थ ही खर्च कर देते हैं। वास्तव में रात्रिकाल समय किसी भी देवता की उपासना का सर्वश्रेष्ठ समय है, परंतु दिन के

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

समय में जपतप करना वर्जित भी नहीं है। महामाया बगला तो सर्वत्र सर्वकाल जाग्रतावस्था में रहती हैं। भगवती दिन और रात दोनों समय की सेवा स्वीकर करती हैं। अतः इस भ्रान्ति को दूर करते हुए साधक दोनों कालों का पूर्ण लाभ उठायें। गृहस्थाश्रम साधक एक ही समय में दो-तीन घण्टे से अधिक साधना में नहीं बैठ सकता है। रात्रि के अतिरिक्त अगर दिन में भी साधक इतना समय निकाल ले तो साधक और मां दोनों आनन्दित हो जायेंगे।

- दीपदान कर्म देवता को प्रसन्न करने का एक विशेष साधन है। भगवती के समक्ष रात्रिकाल में 108 या 1008 दीपक प्रज्जवलित कर उन्हें समर्पित कर सकते हैं। मिट्टी के दीपक सर्व कार्यों में शुभफल प्रदान करते हैं। सरसों, तिल, मूंगफली के तेल या शुद्ध घी से दीपक प्रज्जवलित कर सकते हैं। 1008 दीपक लेकर उन्हें शुद्ध जल से धोना, उन्हें मन्दिर में सजाना और इतनी संख्या में बाती बनाने आदि में पूरे एक दिन के करीब समय लग जाता है।
- भगवती बगला से सम्बन्धित पुस्तक अथवा ग्रन्थों का मन्दिरों में वितरण करने से भी भगवती को प्रसन्न किया जा सकता है।
- भगवती के मन्दिर में 108 या 1008 परिक्रमा करने से भी शुभ फल प्राप्त होता है। अगर आपके शहर में बगला मन्दिर नहीं है, तो दुर्गा अथवा काली के मन्दिर में उनके विग्रह में

मां बगला का ध्यान करते हुए एवं उनका मंत्र जप करते हुए परिक्रमा विधि पूर्ण कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त देववृक्ष पीपल में भगवती का आवाहन एवं पूजनादि कर उनके मंत्र के उच्चारण द्वारा पीपल वृक्ष की परिक्रमा करने से भगवती को प्रसन्न कर सकते हैं। अगर आप अपने घर में ही इस परिक्रमा को करना चाहते हैं, तो जहां परिक्रमा हेतु पर्याप्त जगह है, उस स्थान को साफ स्वच्छ कर माता को एक ऊंची चौकी या सिंहासन पर स्थापित कर दें, धूपदीपक प्रज्जवलित कर। फिर उनके नाम का जप करते हुए एक ही बार में परिक्रमा को पूरा करें। एक बात का ध्यान रखना चाहिये कि 1008 परिक्रमा में मनुष्य के मस्तिष्क में चक्कर जरुर आते हैं, अतः यह विधि कठिन जरुर है, पर असम्भव नहीं। अतः इस परिक्रमा में आप कुछ सेकण्ड उसी स्थान पर रुककर स्वयं को अल्पविराम तो दे सकते हैं, परंतु उस स्थान को छोड़कर परिक्रमा को भग्न नहीं कर सकते। इस परिक्रमा को पूर्ण करने से रात्रिकाल स्वप्न में भगवती के किसी न किसी रूप में दर्शन अवश्य होंगे।

- इस दिन माता बगला अथवा उनके स्वरुप दुर्गा या काली जी के मन्दिर में पीतवर्णा साड़ी, आभूषण, नैवेद्य, धूप, दीपक आदि समर्पित कर मां का आशीर्वाद मांगना चाहिये।

- सम्पूर्ण मौन और निराहार रहकर केवल दूध पीकर इस दिन और रात में भगवती का मंत्र जप करने से साधक यमपाश

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

से मुक्त हो जाता है। यह बगलाव्रत कहा जायेगा। इसमें कथा के रूप में बगला प्रादुर्भाव रहस्य को पढ़ लेना चाहिये। पूर्ण निराहार न रह पाये तो केवल एक समय में भोजन कर व्रत का पालन कर सकते हैं।

- अभिषेक करने से पापकर्म शान्त होते हैं एवं देवता संतुष्ट होते हैं। अतः शीतल एवं उत्तम सामग्रियों द्वारा देवी सूक्त, श्रीसूक्त, बगला सहस्त्रनाम अथवा कामनानुसार मंत्र के द्वारा भगवती के विग्रह का अभिषेक करने से भी महापुण्य प्राप्त होता है। भगवती के विग्रह को भक्तिमय पंचामृत से स्नान कराने वाला मनुष्य भगवती के सायुज्य को प्राप्त करता है एवं शान्ति पुष्टि दोनों का लाभ होता है। जो मनुष्य लाल गन्ने के रस से भरे हुए सैकड़ों कलशों से भगवती को स्नान कराता है, वह आवागमन से रहित हो जाता है। जो मनुष्य आम, मुनक्का अथवा अंगूर के रस से देवी का अभिषेक करता है, वह देवीलोक को जाता है। जो पुरुष कपूर, केसर, अगरु, कस्तूरी, कमल अथवा अन्य सुगन्धित पुष्पों के सुवासित जल से भगवती को स्नान कराता है, उसके सैकड़ों जन्मों के पापकर्म स्वाहा हो जाते हैं। जो दूध भरे कलश से देवी को स्नान कराता है वह क्षीर सागर में निवास करता हैं। दही से स्नान कराने से दधिसागर का अधिपत्य प्राप्त होता है। त्रिमधु से स्नान कराने से वशीकरण कार्य में सफलता तथा परम सौभाग्यागमन होता है। सहस्त्रों कलशों से देवी को स्नान कराने से परमसुख की प्राप्ति तथा अन्त में परमधाम

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

प्राप्त होता है। सुन्दर रेशमी वस्त्र अर्पित करने से वायुलोक में स्थान प्राप्त होता है। रत्ननिर्मित आभूषण अर्पण करने से धनधान्य का विशेष लाभ होता है। भगवती के मस्तक पर चन्दन तथा कस्तूरी की बिन्दी लगाने से इन्द्रासन प्राप्त होता है।

- उत्तम फल एवं सुगन्धित पुष्प चढ़ाने वाला मनुष्य अन्त में कैलास में सुखपूर्वक निवास करता हैं। बिल्वपत्र अर्पित करने से सर्वक्लेश शान्त होते हैं तथा महादेव का आशीष प्राप्त होता है। प्रत्येक बिल्वपत्र पर पीतचन्दन से स्पष्ट अक्षरों में 'ह्लीं' लिखकर और इसी मंत्र से महामाया बगला के श्रीचरणों में अर्पित करने वाला मनुष्य राजराजेश्वर होता है। इसी प्रकार एक करोड़ बिल्वपत्र देवी को अर्पित करने वाला मनुष्य ब्रह्माण्ड का अधिपति हो जाता है। इसी प्रकार ऋतुनुसार सुन्दर रूप वाले, गुण वाले, सुगन्ध वाले स्वादिष्ट फल एवं पुष्पों के द्वारा सदैव भगवती की पूजा करनी चाहिये। सैकड़ों तथा हजारों दीपक प्रज्जवलित कर भगवती को अर्पित करने से सूर्यलोक की प्राप्ति होती है। इस प्रकार पूजन उपरान्त् अन्त में प्रचुरमात्रा में देवी को गंगाजल अर्पित करें। कपूर तथा नारियल युक्त कलश जल भी देवी को भेंट रूप में दें। तत्पश्चात् मुखशुद्धि के लिये भगवती को ताम्बूल, लोंग, इलायची आदि अर्पण करें। इसके बाद वाद्यों की ध्वनि से लयपूर्वक स्तोत्र, मंत्र, चालीसा, प्रार्थना, आरती एवं स्तुति से भगवती को संतुष्ट करें। जैसा समय एवं प्रबन्धन हो उसी

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

के अनुसार भगवती का भजन करें। तदोपरान्त् श्रद्धामय माता भगवती को छत्र, चंवर एवं अन्य उपहार अर्पण करते हुए भगवती को बारम्बार नमस्कार करते हुए उनसे क्षमा याचना करें। तंत्रोक्त एवं विधिवत् मंत्रानुष्ठान करने वाला मनुष्य संसार में सर्वसुखों का अधिकारी होता है। भगवती के साथ उनके भैरव- क्रोध भैरव, आकाशभैरव, स्वर्णाकर्षणभैरव अथवा मृत्युंजय भगवान् का भी दशांश पूजार्चना अनिवार्य है। अन्त में बगला जयंती जैसे शुभ दिवस में मनुष्य यह प्रतिज्ञा ले कि मुझे मां से सिर्फ मां को ही मांगना है और कुछ नहीं। बाकी समस्त मनोरथों का भार उन पर सौंपकर साधनापथ पर बिना रुके उत्साहपूर्वक दौड़ते रहना चाहिये।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

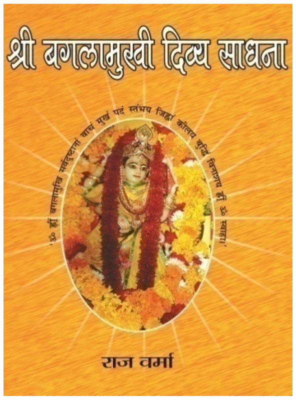

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com